बच्चों के लिए फिजियोथेरेपी सेशन

फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन की सातारा में संयुक्त पहल

संवाददाता

पुणे. सातारा में सेरेब्रल पाल्सीबाधित बच्चों को मदद करने की अपनी यात्रा जारी रखते हुए फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और सीएसआर भागीदार मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) अब सातारा जिले के सातारा तहसील में फिजियोथेरेपी सेशन प्रदान कर रहे हैं. फिलहाल सातारा के जिला परिषद में पहले से एक पूर्णतया सुसज्जित सेट-अप है. लेकिन अधिक सशक्तता से सेवा देने की दृष्टि से फिनोलेक्स और एमएमएफ की ओर से संचेती हॉस्पिटल, पुणे के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट को आमंत्रित कर अधिक आधार प्रदान किया जा रहा है. वर्तमान सेट-अप में इज़ाफा कर दी जानेवाली मदद का लाभ अधिक संख्या में बच्चों को मिले, यह इस कदम का उद्देश्य है. इन बच्चों की नियमित देखभाल के लिए हर बुधवार को डॉक्टर अपनी सेवाएं देने हेतु जाएंगे.

- जिले में दूसरा केंद्र शुरू होने से अत्यंत आनंदीत मुकुल माधव फाऊंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी रितु प्रकाश छाबरिया ने कहा कि हमारे उपक्रम का समर्थन करनेवाले अधिकारियों, खासकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राजेश देशमुख और शिक्षा अधिकारी सौ. पुनिता गुरव के, हम अत्यंत आभारी है. उद्घाटन के दिन 19 बच्चों ने हमारी सेवाओं का लाभ उठाया. धीरे धीरे और यथासमय हम इस बारे में जानकारी देकर सातारा में हर एक बच्चे तक, जिसे हमारी जरूरत है, पहुंचने की हमें आशा है.

पाटण तहसील में तीसरा केंद्र खोलने की योजना

- वाई में हमारा पहला केंद्र मिरजकर हॉस्पिटल में सफलता से चल रहा है और जल्द ही पाटण तहसील में तीसरा केंद्र खोलने की हमारी योजना है. साथ ही वाई केंद्र में हम स्पीच थेरेपी प्रदान कर रहे है तथा सातारा में भी यह देने की हमें आशा है. मूल्यांकन के लिए अगला शिविर शुक्रवार, 30 दिसंबर 2016 को सुबह 10 बजे से जिला परिषद पाठशाला रमापुर सं. 2, पाटण तहसील, सातारा में होगा. इस प्रकल्प में एमएमएफ कृष्णा इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सायन्सेस, अभिमंत विद्यापीठ और कराड स्थित फिजियोथेरेपी के फैकल्टी के साथ भागीदारी करेगा. इस शिविर में संचेती हॉस्पिटल, पुणे के ऑर्थोपेडिक डॉक्टर और कृष्णा हॉस्पिटल, कराड के फिजियोथेरपिस्ट की टीम भी होगी. निदान के अनुसार वे उपचार का मार्ग सुझाएंगे. पाटण स्थित पुनर्वास केंद्र अब से साप्ताहिक आधार पर चलाया जाएगा.

सेरेब्रल पाल्सी से बाधित 500 बच्चों तक पहुंचा

- यह प्रकल्प अभी एक वर्ष पुराना है, जिसके तहत वह जिले के सेरेब्रल पाल्सी से बाधित 500 बच्चों तक पहुंचा है. पूरे जिले में तहसील स्तर पर पुनर्वास केंद्र स्थापित करना कंपनी का लक्ष्य है. यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है, कि फिनोलेक्स जैसी एक कंपनी सीएसआर क्षेत्र में वही सब कर रही है जो अपेक्षित है तथा इसके सभी कर्मचारी, वितरक और प्रतिनिधि सीएसआर के कार्य में सहभागी है. अकेले इस जिले में फिनोलेक्स के वितरकों और प्रतिनिधियों ने बच्चों को खोजकर उन्हें मदद करने के लिए ऐसे दुर्गम गांवों में यात्रा की जहां व्यवस्था भी नहीं पहुंच सकती. यह उपक्रम अपनी तरह का एकमेव हस्तक्षेप है तथा सेरेब्रल पाल्सीबाधित बच्चों को बेहतर और अधिक स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करने हेतु इसमें हर कोई भावनिक और शारीरिक रुप से जुड़ा है.